



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 188]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 22, 2002/वैशाख 2, 1924

No. 188]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 22, 2002/VAISAKHA 2, 1924

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2002

सं. 45/2000-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 298(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत में आयात किए गए माल को—

- (1) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से ;
- (2) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क से जहां आयातकर्ता ने विनिर्दिष्ट रूप से उसका दावा किया है ; और

- (3) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3क के तहत उद्ग्रहणीय संपूर्ण विशेष अतिरिक्त सीमाशुल्क से ;

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

- (1) यह कि आयातकर्ता को निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.3 की शर्तों के अनुसरण में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा शुल्क हकदारी पास बुक जारी की गई है।
- (ii) आयातकर्ता को निर्यात किए गए उत्पाद के लिए भारत सरकार के विणिष्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित दरों पर शुल्क हकदारी पास बुक में जमा प्रविष्टियां अनुज्ञात की गई हैं ;
- (iii) उक्त शुल्क हकदारी पास बुक माल पर उद्ग्रहणीय शुल्कों के विकलन के लिए सीमाशुल्क के समुचित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की जाती है जो यदि इसमें अंतर्विष्ट छूट न दी गई होती तो प्रस्तुत की जाती :

परन्तु शुल्क से छूट उस दशा में अनुज्ञेय नहीं होती जब माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के विकलन के लिए उक्त शुल्क हकदारी पास बुक में अपर्याप्त जमा रकम है किन्तु जो उस छूट के कारण अनुज्ञेय है ;

- (iv) उक्त शुल्क हकदारी पास बुक उस रजिस्ट्रीकरण पत्तन पर जो मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, कांडला, मंगलौर, मारगांव, चेन्नई, न्हावा-शेवा, पारादीप, तुतीकोरम और विशाखापत्तनम, काकीनाडा, मगदला, सिक्का, पिपाव, दहेज, मुन्ना नागापट्टनम और औखा पर समुद्री पत्तनों में से एक होगा या अहमदाबाद, बंगलौर, मुम्बई, कलकत्ता, कोयम्बतूर, दिल्ली, जयपुर, वाराणसी, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम, हैदराबाद, चेन्नई, भुवनेश्वर, नागपुर और कोचीन, बंगलौर, कोयम्बतूर, दिल्ली, गोहाटी, कानपुर, पिम्परी (पुणे), पीतमपुर (इंदौर), मुरादाबाद, लुधियाना, हैदराबाद, नागपुर, आगरा, फरीदाबाद, जयपुर, भुवनेश्वर, वाराणसी, जोधपुर, सेलम, त्रिपुर, सिंगनालूर, बलूच, सूरत, मालनपुर, नासिक, रूद्रपुर (नैनीताल), कोटा, उदयपुर, दौलताबाद (बंजरखाड़ी और मालीवाड़ा), डिघी (पुणे), बड़ोदरा, अहमदाबाद, भिवाड़ी, महुँदै, जालन्धर, मेरठ, भीलवाड़ा, पांडिचेरी और गद्दी हरसारू अथवा राणाघाट और सिंहबाद स्थित भू सीमाशुल्क स्टेशन के माध्यम से अन्तरराज्यीय डिपों में से कोई एक होगा, केवल आयात और निर्यात के लिए पास बुक के जारी किए जाने की तारीख से बारह मास के लिए विधिमान्य होगी ;

परन्तु जहां शुल्क हकदारी पास बुक की समाप्ति माह के अंतिम दिन से पूर्व समाप्त होती है, ऐसी शुल्क हकदारी पास बुक को उक्त माह के आखिरी दिन तक वैध माना जाएगा :

परन्तु सीमाशुल्क आयुक्त विशेष आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं किसी अन्य समुद्री पत्तन, विमानपत्तन अन्तर्देशीय कंटेनर डिपों या किसी भूमि सीमाशुल्क द्वारा आयात और निर्यात अनुज्ञात कर सकेगा ;

- (v) जहां आयातकर्ता सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त सीमाशुल्क से छूट का दावा नहीं करता है वहां यह समझा जाएगा कि उसने उक्त अतिरिक्त सीमाशुल्क की संगणना के प्रयोजन के लिए उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट शुल्क से छूट का उपभोग नहीं किया है ;
- (vi) जहां किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा शुल्क से छूट का दावा नहीं किया जाता है, जिसके पास शुल्क हकदारी पास बुक नहीं है, वहां ऐसे लाभ शुल्क हकदारी पास बुक धारक द्वारा ऐसे व्यक्ति को अंतरित की गई विनिर्दिष्ट राशि के प्रति ही अनुमत्य होंगे।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ,—

- (i) इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए “निर्यात और आयात नीति” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. 1/2002—2007 तारीख 13 मार्च, 2002 द्वारा प्रकाशित निर्यात और आयात नीति, अप्रैल, 2002 से मार्च, 2007 ; और
- (ii) “लाइसेंसिंग प्राधिकारी” का अर्थ विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) की धारा 6 के तहत नियुक्त किए महानिदेशक, विदेश व्यापार अथवा उनके द्वारा उक्त अधिनियम के तहत लाइसेंस देने के लिए प्राधिकृत किए गए किसी अधिकारी से है।

[फा. सं. 605/201/2001-प्रतिअदायगी]

आलोक झा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 22nd April, 2002

NO. 45/2002-CUSTOMS

G.S.R. 298 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods imported into India from :—

- (1) the whole of the duty of Customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) ;
 - (2) the whole of the additional duty leviable under section 3 of the said Customs Tariff Act where specifically claimed by the importer; and
 - (3) the whole of the Special Additional Duty of Customs leviable under section 3A of the said Customs Tariff Act;
- subject to the following conditions, namely :—
- (i) that the importer has been issued a Duty Entitlement Pass Book by the Licensing Authority in terms of paragraph 4.3 of the Export and Import Policy.

- (ii) the importer has been permitted credit entries in the said Duty Entitlement Pass Book by the Licensing Authority at the rates notified by the Government of India in the Ministry of Commerce for the products exported.
- (iii) the said Duty Entitlement Pass Book is produced before the proper officer of Customs for debit of the duties leviable on the goods but for exemption contained herein.

Provided that exemption from duty shall not be admissible if there is insufficient credit in the said Duty Entitlement Pass Book for debiting the duty leviable on the goods but for this exemption

- (iv) the said Duty Entitlement Pass Book shall be valid for twelve months from the date of issue or such extended period as may be granted by the Licensing Authority for import and export only, at the port of registration which shall be one of the sea ports at Mumbai, Kolkata, Cochin, Kandla, Mangalore, Marmagao, Chennai, Nhava Sheva, Paradeep, Tuticorin, Visakhapatnam, Kakinada, Magdalla, Sikkha, Pipavav, Dahej, Mundra, Nagapattinam and Okha or any of the airports at Ahmedabad, Bangalore, Mumbai, Kolkata, Coimbatore, Delhi, Jaipur, Varanasi, Srinagar, Trivandrum, Hyderabad, Chennai, Bhubaneswar, Nagpur and Cochin or any of the Island Container Depots at Bangalore, Coimbatore, Delhi, Gauhati, Kanpur, Pimpri (Pune), Pitampur (Indore), Moradabad, Ludhiana, Hyderabad, Nagpur, Agra, Faridabad, Jaipur, Guntur, Varanasi, Jodhpur, Salem, Tripur, Singanahur, Wakkaj, Surat, Malanpur, Nasik, Rudrapur (Nainital), Kota, Udaipur, Daulatabad (Wanjarwadi and Malwada), Dighi (Pune), Vadodra, Ahmedabad, Bhujwadi, Madurai, Jalandhar, Meerut, Bhilwara, Pondicherry and Garhi Harsaru or through the Land Customs Station at Ranaghat and Singhabad

Provided that where the expiry of the Duty Entitlement Pass Book falls before the last day of the month, such Duty Entitlement Pass Book shall be deemed to be valid till the last day of the said month

Provided further that the Commissioner of Customs may, by special order and subject to such conditions as may be specified by him, permit imports and exports from any other sea port, airport, inland container depot or through a land customs station

- (v) where the importer does not claim exemption from the additional duty of customs leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), he shall be deemed not to have availed the exemption from the duty specified in the First Schedule to the said Customs Tariff Act for the purpose of calculation of the said additional duty of customs
- (vi) where benefit of exemption from duty is claimed by a person, who is not a Duty Entitlement Pass Book holder, such benefit shall be permissible only against specific amount of credit transferred by a Duty Entitlement Pass Book holder to such person

Explanation —For the purpose of this notification,—

- (i) “Export and Import Policy” means the Export and Import Policy April, 2002—March, 2007 published vide notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1/2002—2007 dated the 31st March, 2002, and
- (ii) “Licensing Authority” means the Director General of Foreign Trade appointed under section 6 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) or an officer authorised by him to grant a license under the said Act

[F No 605/201/2001-DBK]

ALOK JHA, Under Secy

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2002

सं. 46/2002-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 299(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सामग्री को जब उसका भारत में आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुल्क से और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3क के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण विशेष अतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट प्रदान करती है, अर्थात् :—

- (1) यह कि आयातकर्ता को निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.2 के निबंधनों के अनुसार उक्त सामग्रियों के आयात के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा शुल्क मुक्त पुनः पूर्ति करने वाली प्रमाणपत्र अनुज्ञापति (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अनुज्ञापति कहा गया है) मंजूर की गई है और उक्त अनुज्ञापति निकासी के समय सीमाशुल्क के समुचित अधिकारी द्वारा विकलन करने के लिए प्रस्तुत की जाती है।

(ii) यह कि उक्त अनुज्ञप्ति में अन्य बातों के साथ निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करते हुए पृष्ठांकन अंतर्विष्ट है :—

- (क) मानक निवेश उत्पाद सन्निधम (सियोन), निर्यात किए गए पारिणामिक उत्पादों की संख्या, वर्णन और मूल्य पृष्ठ भाग में।
- (ख) पारिणामिक उत्पादों की पोत परिवहन बिल संख्या (संख्याएं) और तारीख (तारीखें) और भारतीय रुपयों में पोत पर्यन्त मूल्य पृष्ठ भाग में ; और
- (ग) सामग्रियों का विवरण, मूल्य और मात्रा जिनके आयात किए जाने की अनुमति दी गई है :

परन्तु निर्यात और आयात नीति प्रक्रिया संबंधी पुस्तिका के पैराग्राफ 4.31 में विहित संवेदी सूची में निर्दिष्ट परिणामी उत्पादों के संबंध में उक्त अनुज्ञप्ति में अनुमति दी गई सामग्रियां उसी गुणवत्ता, तकनीकी विशेषताओं और विनिर्देशनों की होंगी जैसा कि उक्त परिणामी उत्पाद में उपयोग की गई है सामग्रियों की होंगी।

परन्तु उक्त परिणामी उत्पादों के संबंध में निर्यातक लदान पत्र में प्रयोग की गई सामग्रियों की तकनीकी विशेषताओं, गुणवत्ता और विनिर्देशनों के संबंध में घोषणा करेगा।

(iii) यह कि उक्त अनुज्ञप्ति/और/या सामग्रियां अबाध रूप से हस्तांतरणीय होंगे।

(iv) यह कि आयात और निर्यात मुम्बई, कोलकाता, कोचीन, (मगदला), काकीनाड़ा, कांडला, मंगलौर, मारमागोवा, मद्रास; नोवाशेवा, पारादीप, पोपाभव, सिक्का, तूतीकोरिन, विशाखापत्तनम, देहेज, नागापत्तनम, मुन्ना और ओखा स्थित समुद्री पत्तनों के माध्यम से या अहमदाबाद, बंगलौर भुवनेश्वर, मुम्बई, कोलकाता, कोयम्बतूर, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम, वाराणसी, नागपुर और कोचीन स्थित किसी वायुपत्तन के माध्यम से या आगरा, बंगलौर, कोयम्बतूर, दिल्ली, फरीदाबाद, गुवाहाटी, गुंटूर, हैदराबाद, जयपुर, जालन्धर, कानपुर, लुधियाना, मुरादाबाद, नागपुर, पिम्परी (पुणे) पीतमपुर (इन्दौर), सूरत, तिरुपुर, वाराणसी, नासिक, रूद्रपुर (नैनीताल), दिब्रो (पुणे), बड़ोदरा, दौलताबाद (बंजरावाड़ी और मालीवाड़ा), मालनपुर, बलुल (औरंगाबाद), अनापार्थी (आंध्रप्रदेश), सेलम, सिंघनालुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अहमदाबाद, भिवाड़ी, मदुरई, भीलवाड़ा, पांडिचेरी और गढ़ी हसारा स्थित किसी अन्तर्देशीय कन्टेनर डिपो के माध्यम से या रानाघाट और सिंहबाद स्थित भूमि सीमाशुल्क स्टेशन के माध्यम से किया जाता है :

परन्तु यह कि सीमाशुल्क आयुक्त, विशेष आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो उनके द्वारा विहित की जाएं किसी अन्य समुद्री पत्तन, वायुपत्तन या अन्तर्देशीय कन्टेनर डिपो के माध्यम से या भूमि सीमाशुल्क स्टेशन के माध्यम से आयात और निर्यात अनुज्ञात कर सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना में,—

- (क) “निर्यात और आयात नीति” से अधिसूचना सं. 1/2002—2007, तारीख 31 मार्च, 2002 के अधीन भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति 2002—2007 अभिप्रेत है।
- (ख) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) की धारा 6 के अधीन नियुक्ति महानिदेशक, विदेश व्यापार या उक्त अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति मंजूर करने के लिए उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी अभिप्रेत है।
- (ग) “सामग्री से अभिप्रेत है।” :—
 - (क) पारिणामिक उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्रियों, संघटक, मध्यवर्ती, खपने योग्य सामग्री और पुर्जे ;
 - (ख) पारिणामिक उत्पादों की पैकेजिंग में प्रयुक्त पैकिंग सामग्रियां।

[फा. सं. 605/201/2001—प्रतिअदायगी]

आलोक झा, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd April, 2002

NO. 46/2002-CUSTOMS

G.S.R. 299 (E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the Public interest so to do, hereby exempts

materials when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon, under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the Special Additional Duty leviable thereon under section 3A, of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that the importer has been granted duty free replenishment certificate licence by the Licensing Authority for import of the said materials in terms of paragraph 4.2 of the Export and Import Policy (hereinafter referred to as the said licence) and the said licence is produced at the time of clearance for debit by the proper officer of the customs;
- (ii) the said licence contains the endorsements specifying, *inter alia*,
 - (a) the Standard Input Output Norm (SION) number, description and value of the resultant product exported on the reverse,
 - (b) the shipping bill number(s) and date(s) and FOB value in Indian Rupees of the resultant product, on the reverse, and
 - (c) the description, value and quantity of the materials which are allowed to be imported :

Provided that in respect of resultant products specified in the Sensitive List contained in paragraph 4.31 of the Hand Book of Procedure (Vol. 1) of the Export and Import Policy, the materials permitted in the said licence shall be of the same quality, technical characteristics and specifications as the materials used in the said resultant product :

Provided further that in respect of said resultant products the exporter shall give declaration which regard to technical characteristics, quality and specification of materials used in the shipping bill :

- (iii) that the said licence and/or materials shall be freely transferable;
- (iv) that the imports and exports are undertaken through sea ports at Mumbai, Kolkata, Cochin, Magdalla, Kakinada, Kandla, Mangalore, Marmagao, Madras, Nhava Sheva, Paradeep, Pipavav, Sikka, Tuticorin, Visakhapatnam, Dahej, Nagapattinam, Mundhra and Okha or through any of the airports at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Mumbai, Kolkata, Coimbatore, Delhi, Hyderabad, Jaipur, Madras, Srinagar, Trivandrum, Varanasi, Nagpur and Cochin or through any of the Inland Container Depots at Agra, Bangalore, Coimbatore, Delhi, Faridabad, Gauhati, Guntur, Hyderabad, Jaipur, Jalandhar, Kanpur, Ludhiana, Moradabad, Nagpur, Pimpri (Pune), Pitampur (Indore), Surat, Tirupur, Varanasi, Nasik, Rudrapur (Nainital), Dighi (Pune), Vadodara, Daulatabad, (Wanjarwadi and Maliwada), Malanpur, Waluj (Aurangabad), Anaparthi (Andhra Pradesh), Salem, Singanalur, Jodhpur, Kota, Udaipur, Ahmedabad, Bhiwadi, Madurai, Bhilwara, Pondicherry and Garhi Harsaru or through the Land Customs Stations at Ranaghat and Singabad :

Provided further that the Commissioner of Customs may by special order the subject to such conditions as may be specified by him, permit import and export from any other seaport, airport or inland container depot or through a land customs station.

Explanation. In this notification,—

- (i) “Export and Import Policy”, means Export and Import Policy 2002—2007, notified by the Government of India in the Ministry of Commerce vide notification No. 1/2002—2007, dated the 31st March, 2002;
- (ii) “Licensing Authority”, means the Director General of Foreign Trade appointed under Section 6 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) or an officer authorised by him to grant a licence under the said Act;
- (iii) “Materials” means—
 - (a) raw materials, components, intermediates consumables and parts used in the manufacture of resultant product;
 - (b) packing materials used in the packaging of resultant product.

[F.No. 605/201/2001-DBK]

ALOK JHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2002

सं. 47/2002—सीमाशुल्क

सा.का.नि. 300 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित सामग्रियों को, जब उनका भारत में आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 5) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुल्क से और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

- (1) आयातकर्ता को निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.1 के निबंधनों के अनुसार पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए उक्त सामग्रियों के आयात के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा माने गए निर्यातकर्ता के लिए अग्रिम अनुज्ञप्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अनुज्ञप्ति कहा गया है) मंजूर की गई है और उक्त अनुज्ञप्ति आयातकर्ता द्वारा निकासी के समय समुचित सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा विकलन के लिए प्रस्तुत की जाती है :
- (2) उक्त अनुज्ञप्ति में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करते हुए पृष्ठांकन अंतर्निष्ठ है—
 - (क) उक्त अनुज्ञप्ति के अधीन आयात किए जाने के लिए अनुज्ञात सामग्रियों का वर्णन, मात्रा और मूल्य;
 - (ख) शुल्क मुक्त आयात के लिए जाने के लिए अनुज्ञात सामग्रियों का वर्णन और मात्रा; और
 - (ग) आयातित सामग्रियों से या उससे मिलकर विनिर्माण किए जाने के लिए अंतिम उत्पादों का वर्णन और मात्रा :
- (3) आयातकर्ता, आयातित सामग्री की निकासी के समय ऐसे प्रतिभू या ऐसी प्रतिभूति सहित और ऐसे प्ररूप में तथा ऐसी राशि के लिए जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, स्वयं को आबद्ध करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करता है कि ऐसी छूट, जिसकी बाबत इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया है, यदि न दी जाए तो मांग किए जाने पर उक्त सामग्री की निकासी की तारीख से चौबीस प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज सहित उतनी रकम का संदाय करेगा, जो ऐसी आयातित सामग्री पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर हो;
- (4) आयातकर्ता, उक्त सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप में अंतिम उत्पादों का प्रदाय करने के लिए बाध्यता को पूरा करने के लिए अनुज्ञात अवधि की समाप्ति से तीन दिवस की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो (सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त) द्वारा अनुज्ञात की जाए, मालों के प्रदाय करने की बाध्यता का उन्मोचन किए जाने के साक्ष्य प्रस्तुत करता है; और
- (5) छूट प्राप्त सामग्रियों का उपयोग अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में दिया जाता है और ऐसी सामग्रियों का कोई भाग उधार नहीं दिया जाएगा, अंतरित विक्रीत नहीं किया जाएगा या उसका किसी अन्य रीति से व्ययन नहीं किया जाएगा;

परन्तु यह कि जहां ऐसे अंतिम उत्पाद, जिनकी बाबत उक्त सामग्रियों का आयात किया गया है, इस अधिसूचना के अधीन यथा अपेक्षित पहले ही विनिर्माण और प्रदाय कर दिया गया है जो आयातकर्ता के लिए अन्य मालों के विनिर्माण के लिए उक्त सामग्रियों का उपयोग कर सकेगा;

- (6) आयात और निर्यात, मुम्बई, सिक्का, कोलकाता, कोचीन, कांडला, मंगलौर, मारभागोवा, चेन्नई, न्हावा शेवा, पारादीप, तूतीकोरीन, विशाखापट्टनम, काकीनाड़ा, मागडल्ला, दहेज, मुंद्रा, नागापट्टनम, ओखा और पीचौनव स्थित समुद्री पत्तनों से या अहमदाबाद, बंगलौर, मुम्बई, कोलकाता, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, नागपुर, कोचीन, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, चेन्नई, श्रीनगर, त्रिवेंद्रम और वाराणसी स्थित किसी विमानपत्तन से या बंगलौर, कोयम्बतूर, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, कानपुर, लुधियाना, मुरादाबाद, पिंपरी (पुणे), पीतमपुर (इंदौर), आगरा, फरीदाबाद, जयपुर, गुंडर, नागपुर, वाराणसी, सूरत, जोधपुर, सेलम, तिरुपुर, सिचनलुर, बालूज और मालनपुर, नासिक, रुद्रपुर (नैनीताल), दिघी (पुणे), बड़दोरा, दौलताबाद, वंजरवाडी (और मालीवाड़ा, बलूज) (औरंगाबाद), अन्नार्थी (आंध्रप्रदेश), कोटा, उदयपुर, अहमदाबाद, जालंधर, भीलवाड़ा, पांडिचेरी और गढ़ी हसारू स्थित अंतरदेशीय कंटेनर डिपो या रानाघाट और सिंहबाद स्थित भू-सीमाशुल्क स्टेशनों से किया जाता है;

परन्तु यह कि सीमाशुल्क आयुक्त विशेष आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं किसी अन्य समुद्री पत्तन, विमान पत्तन या अंतरदेशीय कंटेनर डिपो के माध्यम से या किसी भूमि सीमाशुल्क स्टेशन के माध्यम से आयात और निर्यात अनुज्ञात कर सकेगा।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना में—

- (i) "अनुज्ञापन प्राधिकारी" से विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992, (1992 का 22) की धारा 6 के अधीन नियुक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार या इस अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति मंजूर करने के लिए उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी अभिप्रेत है;
- (ii) सामग्रियों से—
 - (क) अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्रियां, संघटक, मध्यवर्ती, खपने योग्य सामग्री, कंप्यूटर साफ्टवेयर और पुर्जे;
 - (ख) प्रदाय किए जाने वाले अंतिम उत्पादों की पैकिंग के लिए अपेक्षित पैकिंग सामग्रियां अभिप्रेत हैं;
- (iii) "अंतिम उत्पादों" से निम्नलिखित अभिप्रेत हैं—
 - (क) शुल्क छूट/माफी के तहत अग्रिम लाइसेंस/डी एफ आर सी के विरुद्ध आपूर्तियां;
 - (ख) शत-प्रतिशत निर्यातान्मुख इकाइयों (ई ओ यू) अथवा निर्यात संसाधनों जोनों (ई पी जेड) अथवा विशेष आर्थिक जोनों (एस ई जेड) अथवा साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्कों (एस टी पी) अथवा इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्कों (ई एच टी पी) में स्थित इकाइयों को की गई आपूर्तियां;
 - (ग) निर्यात और आयात नीति के अध्याय-5 के तहत अनुज्ञप्ति के धारकों को पूंजीगत माल की आपूर्ति;
 - (घ) उन अभिकरणों/निधियों की प्रक्रिया के अनुसार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगी बोली के अधीन भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा यथा अधिसूचित बहुपक्षीय या द्विपक्षीय अभिकरणों, निधियों द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं को किए गए प्रदाय, जहां विधिक करारों में सीमाशुल्क को सम्मिलित किए बिना निविदा मूल्यांकन के लिए उपबंध किया गया हो;
 - (ङ) पूंजी व मालों का प्रदाय, जिसके अंतर्गत असमंजित/विसमंजित स्थिति में संयंत्र, मशीनरी, उपसाधन, औजार, डाईयों में पूंजीमाल और ऐसा माल जिसका उपयोग वाणिज्यिक उत्पादन के प्रक्रम तक संस्थापन प्रयोजनों के लिए किया जाता है और उर्वरक संयंत्रों के लिए ऐसे पूंजी मालों के मूल्य की दस प्रतिशत एफ ओ आर सीमा तक अतिरिक्त पूर्ण आते हैं;
 - (च) किसी ऐसी परियोजना या प्रयोजन के लिए मालों का प्रदाय, जिसकी बाबत वित्त मंत्रालय, अधिसूचना द्वारा घरेलू प्रदायों के लिए निर्यात और आयात नीति के अध्याय 8 के अधीन फायदों के विस्तार के साथ शून्य सीमाशुल्क पर ऐसे मालों का आयात अनुज्ञात करती है;
 - (छ) उपर्युक्त (घ) में कवर नहीं की गई रिफाइनरी परियोजनाओं को माल की आपूर्ति;
 - (ज) शत-प्रतिशत निर्यातान्मुख इकाइयों (घरेलू माल-भाड़ा कंटेनरों-विनिर्माताओं) द्वारा समुद्री माल-भाड़ा कंटेनरों की आपूर्ति परन्तु उक्त कंटेनर 6 महीने के अंदर अथवा सीमाशुल्क द्वारा यथा अनुमति दी गई ऐसी और अवधि में भारत से बाहर निर्यात किए जाते हैं;
 - (झ) संयुक्त राष्ट्रों एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं को की गई आपूर्तियां;
 - (ञ) प्रतिस्पर्धी बोलियों के माध्यम से न्यूक्लीय विद्युत परियोजनाओं को की गई आपूर्तियां;
- (iv) क्रमशः "निर्यात संसाधन जोन"; "शत-प्रतिशत निर्यातान्मुख इकाइयों" और "विशेष आर्थिक जोनों" का अर्थ वही है जैसाकि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की व्याख्या 2 में दिया गया है;
- (v) "निर्यात और आयात नीति" से अधिसूचना सं. 1/2002—2007, तारीख 31 मार्च, 2002 द्वारा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति 2002—2007 अभिप्रेत है।

[फा. सं. 605/201/2001—प्रतिअदायगी]

आलोक झा, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd April, 2002

No. 47/2002-CUS

G.S.R. 300(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts materials required for the manufacture of the final goods when imported into India, from the whole of the duty of Customs leviable thereon, under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act subject to the following conditions, namely :—

- (1) that the importer has been granted Advance Licence for deemed export by the Licensing Authority for import of the said materials for the aforesaid purpose in terms of paragraph 4.1.1 of the Export and Import Policy (hereinafter referred to as the said licence), and the said licence is produced by the importer at the time of clearance for debit by the proper officer of the Customs;
- (2) that the said licence contains the endorsements specifying inter alia
 - (a) the description, quantity and value of materials allowed to be imported under the said licence;
 - (b) the description and quantity of materials allowed to be imported duty free; and
 - (c) the description and quantity of final goods to be manufactured out of, or with the imported materials;
- (3) the importer executes a bond with such surety or security and in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs binding himself to pay on demand, an amount equal to the duty leviable on the imported materials but for the exemption contained herein, in respect of which the conditions specified in this notification have not been complied with together interest at the rate of 24 percent per annum from the date of clearance of materials;
- (4) that the importer produces evidence of having discharged obligation to supply final goods to the satisfaction of the said Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs within a period of thirty days from the expiry of the period allowed for fulfilment of obligation to supply final goods or within such extended period as the (Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs) may allow; and
- (5) that the exempt materials are utilised for the manufacture of final goods and no portion of such materials of final goods and no portion of such materials shall be loaned, transferred, sold or disposed of in any other manner :

Provided that where final goods in respect of which the said materials have been imported have already been manufactured and supplied as required under this notification, the importer may use the said materials for the manufacture of any other goods;

- (6) that the imports and exports are undertaken through sea ports at Mumbai, Sikkim, Kolkata, Cochin, Kandla, Mangalore, Marmagao, Chennai, Nhava Sheva, Paradeep, Tuticorin, Visakhapatnam, Kakinada, Magdalla, Dahej, Mundhra, Nagapattinam, Okha and Pipavav or through any of the airports at Ahmedabad, Bangalore, Mumbai, Kolkata, Bhubaneswar, Coimbatore, Nagpur, Cochin, Delhi, Hyderabad, Jaipur, Chennai, Srinagar, Trivandrum, and Varanasi or through any of the Inland Container Depots at Banagalore, Coimbatore, Delhi, Guwahati, Hyderabad, Kanpur, Ludhiana, Moradabad, Pimpri (Pune), Pitampur, (Indore), Agra, Faridabad, Jaipur, Guntur, Nagpur, Varanasi, Surat, Jodhpur, Salem, Tirupur, Singanallur, Waluj, Bhiwadi, Malanpur, Nasik, Rudrapur (Nainital), Dighi (Pune), Vadodara, Daulatabad (Wanjarwadi and Maliwada), Waluj (Aurangabad), Anaparthi (Andhra Pradesh), Kota, Udaipur, Ahmedabad, Jalandhar, Bhilwada, Pondicherry and Garhi Harsaru or through Land Customs Stations at Ranaghat and Singhabad.

Provided that the Commissioner of Customs may, by special order and subject to such conditions as may be specified by him, permit import and export through any other sea port, airport or inland container depot or through a land Customs station.

Explanation.—In this notification,

- (i) "Licensing Authority" means the Director General of Foreign Trade appointed under section 6 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1922 (22 of 1992) or an officer authorised by him to grant a licence under the said Act;
- (ii) "materials" means—
 - (a) raw materials, components, intermediates, consumables, computer software and parts required for the manufacture of final goods;
 - (b) packing materials required for the packing of final goods to be supplied;
- (iii) "final goods" means,—
 - (a) supplies against Advance Licence/DFRC under the Duty Exemption/Remission Scheme;
 - (b) supplies made to 100 per cent Export Oriented Units (EQUs) or units located in Export Processing Zones (EPZ) or Special Economic Zones (SEZ) or Software Technology Parks (STP) or Electronic Hardware Technology Parks (EHTP);
 - (c) supply of capital goods to the holders of licence under Chapter 5 of the Export and Import Policy;
 - (d) supplies made to projects financed by multilateral or bilateral agencies/funds as notified by the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) under international competitive bidding in accordance with the procedures of those agencies/funds where the legal agreements provide for tender evaluation without including the customs duty;
 - (e) supply of capital goods including capital goods in unassembled/dissembled condition including plant, machinery, accessories, tools, dies and such goods which are used for installation purposes till the stage of commercial production, and spares to the extent of 10 per cent of the FOR value of such capital goods for fertiliser plants;
 - (f) supply of goods to any project or purpose in respect of which the Ministry of Finance, by a notification, permits the import of such goods at zero customs duty coupled with the extension of benefits specified in Chapter 8 of the Export and Import Policy for domestic supplies;
 - (g) supply of goods to power and refinery projects not covered in (f) above;
 - (h) supply of Marine Freight Containers by 100 per cent Export Oriented Units (Domestic freight containers—manufacturers) provided the said containers are exported out of India within 6 months or such further period as permitted by Customs;
 - (i) supplies made to projects funded by United Nation agencies;
 - (j) supplies made to nuclear power projects through competitive bidding;
- (iv) "Export processing zone", "hundred per cent export oriented units" and "special economic zones" have the same meaning as in Explanation 2 to Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) respectively;
- (v) "Export and Import Policy" means Export and Import Policy 2002—2007, notified vide Notification No. 1/2002—2007, dated the 31st March, 2002.

[F. No. 605/201/2001-DBK]
AKOL JHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2002

सं. 48/2002—सीमाशुल्क

सा.का.नि. 301 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 21/2002-सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में—

(1) सारणी में,

(i) प्रविष्टि (1) के बाद कालम (3) में क्रम संख्या 114 के सामने निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6
		“(अ) बुडन बिस्कुट (बुडन बोर्ड हेतु जोड़ने वाले उपांग—स्पिलिंग्स);			
		(ट) लैम्पशेड के लिए सजावटी पेपर;			
		(ठ) सी-गैल, मंदर ऑफ पर्ल (एमओपी);			
		कैटल हार्न एंड बोन सामग्री;			
		(ड) फोटो फ्रेमों के लिए प्रिन्ट्स;			
		(ढ) ब्रुशों के लिए जानवरों की बाल सामग्रियां;			
		(ण) तांबा आसंजक टेप 1/2" और इससे कम;			
		(त) 1/8" से 1" के आसंजक तांबा पर्णिका;			
		(थ) पाटिना एंड पाटिना ब्रॉन्ज;			
		(द) एनालॉग क्लॉक मूवमेन्ट्स;			
		(ध) फर्नीचर हेतु हार्डवेयर ब्रास एवं धातु की फिनिशिंग्स;			
		(न) चाकू, छुरियों हेतु हैंडल/ब्लेड्स”;			

(ii) प्रविष्टि (न) के बाद कॉलम (3) में क्रम सं. 167 के सामने निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी,—

1	2	3	4	5	6
		“(प) स्टड;			
		(फ) इलास्टिक क्लॉथ एवं इलास्टिक बैंड;			
		(ब) विथटिड वैडिंग सामग्री			
		(भ) कढ़ाई हेतु बीड्स;			
		(म) एक वित्त वर्ष के दौरान आयातित कुल 200 मीटर तक की लंबाई के सैम्पल फैब्रिक्स”;			

(2) अनुबंध में,—

(i) शर्त सं. 21 में, उप-शर्त (क) और (ख) के लिए क्रमशः निम्नोक्त उप-शर्तें रखी जाएंगी, अर्थात् :—

शर्त सं.	शर्त
“(क)	माल का वस्त्र परिधानों या चमड़े के परिधानों के विनिर्माता द्वारा वस्त्र परिधानों या चमड़े के परिधानों के निर्माण में उपयोग के लिए उस विनिर्माता द्वारा किए जाने वाले निर्यात के लिए आयात किया जाता है और यह कि उक्त विनिर्माता, यथास्थिति, परिधान निर्यात सम्बंधित परिपद या चमड़ा निर्यात परिपद में रजिस्ट्रीकृत है;
(ख)	(i) आयात किए गए माल का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान निर्यात किए गए वस्त्र परिधानों या चमड़े के परिधानों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं है, तथापि, आयात की गई अस्तर भी भीतरी अस्तर की सामग्री का मूल्य उक्त कुल मूल्य के 2 प्रतिशत से अधिक नहीं है;
(ii)	आयात किए गए माल का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान निर्यात किए गए चमड़े के जूतों, चमड़े के दस्तानों अथवा यात्रा में ले जाए जाने वाले हैंड बैगों तथा चमड़े से बनाई गई ऐसी ही वस्तुओं के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;”।

[फा. सं. 605/201/01-प्रतिअदायगी]

अल्लोक झा, अपर सचिव

टिप्पणी :— 1 मार्च, 2002 की मूल अधिसूचना सं. 21/2002-सीमाशुल्क भारत के राजपत्र (असाधारण) में सा. का. नि. सं. 118(अ) के तहत 1 मार्च, 2002 को प्रकाशित की गई थी तथा इसमें अंतिम संशोधन दिनांक 1 मार्च की अधिसूचना सं. 37/2002-सीमाशुल्क के तहत किया गया था जो भारत के राजपत्र (असाधारण) में सा. का. नि. सं. 277(अ) के तहत दिनांक 11 अप्रैल, 2002 को प्रकाशित हुई थी।

New-Delhi, the 22nd April, 2002

NO. 48/2002-CUSTOM

G.S.R. 301 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 21/2002-Customs, dated the 1st March, 2002, namely :—

In the said notification,

(1) in the Table,—

(i) against S. No. 114, in column (3), after entry (i), the following entries shall be inserted, namely,—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		“(j) Wooden biscuit (splings-joining accessory for wooden board) ;			
		(k) Decorative paper for lamp shade;			
		(l) Sea shell, Mother of Pearl (MOP), Cattle horn and Bone Materials;			
		(m) Prints for photo frames;			
		(n) Animal hair materials for brushes;			
		(o) Copper adhesive tape 1/2" or less;			
		(p) Adhesive Copper foil 1/8" to 1";			
		(q) Patina and patina bronze;			
		(r) Analog clock movement;			
		(s) Hardware brass and metal fittings for furniture;			
		(t) Handles/blades for cutlery”;			

(ii) against Sr. No. 167 in column (3) after entry (t), the following entries shall be inserted, namely,—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		“(u) Stud;			
		(v) Elastic cloth and Elastic band;			
		(w) Quilted wadding materials;			
		(x) Beads for embroidery;			
		(y) sample fabric of total length upto 200 metre imported during one financial year”;			

(2) in the Annexure,—

(i) in condition No. 21, for sub-conditions (a) and (b), the following sub-conditions shall respectively be substituted, namely,—

Condition No.	Condition
“(a)	the goods are imported by a manufacturer of textile garments or leather garments or leather footwear or leather gloves, or travel goods, hand bags and similar containers all made of leather for use in the manufacture of said goods for export by that manufacturer and the said manufacturer is registered with the Apparel Export Promotion Council or Council for Leather Exports, as the case may be;—

- (b) (i) the total value of goods imported shall not exceed 3 per cent of the FOB value of textile garments or leather garments exported during the preceding financial year, however the value of lining, and interlining materials imported shall not exceed 2 per cent of the said total value; and
- (ii) the total value of goods imported shall not exceed 1 per cent of the FOB value of leather footwear, leather gloves or travel goods, hand bags and similar container all made of leather exported during the preceding financial year;"

[F. No. 605/201/01-DBK]
ALOK JHA, Under Secy.

Note : The principal notification No. 21/2002-Customs dated the 1st March, 2002 was published in the Gazette of India, (Extraordinary) vide GSR No. 118(E), dated the 1st March, 2002 and last amended by notification No. 37/2002-Customs dated, the 11th April, 2002 published in the Gazette of India (Extraordinary) vide GSR No. 277(E), dated the 11th April, 2002.